

SHRI B. R. BHAGAT: In this year's plan, there is a provision for import of tractors from Yugoslavia.

Brahmo Samaj Pilgrims refused permission to enter East Pakistan

*725. **SHRI BABURAO PATEL:** Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 50 Brahmo Samaj Pilgrims of West Bengal were refused permission to worship at Bagora in East Pakistan by Pakistan recently;

(b) if so, reasons for doing so when Government have been allowing thousands of Muslims to visit India for the last 22 years;

(c) number of times such permission has been refused by Pakistan; and

(d) nature of protests made on such occasions; if not, reasons therefor?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The Government of Pakistan regretted their inability to allow entry to the pilgrims without giving any reasons.

(c) Four.

(d) The matter has been taken up with the Pakistan Government. It has been pointed out to them that they have an obligation to provide facilities to pilgrims from India to visit holy places in Pakistan in accordance with the agreements reached between the two countries.

SHRI BABURAO PATEL: May I know whether in the last week of December, 1969, a couple of hundred Muslim hoodlums invaded this Brahmo Samaj shrine at Bagora, killed one woman, murdered three Hindu males and injured one old woman, circumcised two Hindu boys, raped three young Hindu girls and kidnapped them? May I know whether this incident was reported by our High Commissioner in Pakistan?

SHRI SURENDRA PAL SINGH: We are aware of certain difficulties which the minority community is facing there. (*Interruptions*). But we have not got specific

information about this incident. We will certainly try to find out.

SHRI BABURAO PATEL: I want to know whether this Bagora shrine has been turned into a godown for storing cattle bones which are used for fertiliser purpose.

SHRI SURENDRA PAL SINGH: We are not aware of it.

SHRI BAL RAJ MADHOK: What are you aware of then?

SHRI HEM BARUA: We have the High Commissioner's office there. Have they not informed you anything about it?

श्री हुकम चन्द कछबाय : पाकिस्तान में जो इस प्रकार घटनायें हो रही हैं और वे लगातार उस करार का उलंघन करते जा रहे हैं, मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार इसके लिये कौनसा विशेष कदम उठाने जा रही है, ताकि जो लोग वहाँ जाते हैं, उनके साथ जो छेड़-छाड़, मारपीट या बलात्कार किया जाता है, वह रुक सके? आपने कहा है कि इस घटना की आपके पास जानकारी नहीं है, जब कि तमाम समाचार पत्रों में यह खबर आई थी। मैं जानना चाहता हूँ कि इसकी जानकारी इकट्ठी करके आप हमको कब तक बतायेंगे?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : मैं पहले ही भ्रज कर चुका हूँ कि इस घटना की जानकारी अभी हमारे पास नहीं है, हम इसके बारे में मालूमत करने की कोशिश करेंगे कि क्या हुआ था।

लेकिन यह बात सही है कि पाकिस्तान हमारे यात्रियों के आने-जाने में कई तरह की दिक्कतें पैदा करता है। इसके बारे में हम उनसे बातचीत करते हैं, कोशिश करते हैं...

श्री हुकम चन्द कछबाय : लेकिन परिणाम क्या निकलता है?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : हमारे उनके साथ

कुछ समझौते हैं, जिसको उम्मीद है वे पूरा करेंगे।

श्री हुकमचन्द कछवाय : क्या आप उनको यहाँ आने से रोकेंगे ? क्या आप भी करार का उल्लंघन करेंगे ?

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : जैसा अभी ब्रह्म-समाज के यात्रियों के साथ हुआ, वैसा ही अभी कुछ दिन पहले सिख यात्रियों के सम्बन्ध में हुआ था। उसके पहले बौद्ध यात्रियों के संबंध में भी ऐसी ही कठिनाई आई थी। मैं सरकार से जानना चाहता हूँ—आपका श्रीर पाकिस्तान का जो करार है कि वहाँ जो अल्पसंख्यक रह गये हैं, धार्मिक दृष्टि से उनको संरक्षण दिया जायगा। लेकिन समय-समय पर जिस प्रकार की घटनाओं की जानकारी आपके कानों में पड़नी आ रही है, उनको दृष्टि में रखते हुए क्या आप उनसे विस्तार में कोई बातचीत करने के बारे में सोच रहे हैं ? जिससे उन लोगों का धार्मिक संरक्षण मिल सके या वहाँ उन लोगों का धर्मान्तरण न किया जाय, वहाँ से भाग कर वे लोग न आयें। क्या इस सम्बन्ध में भारत सरकार विचार कर रही है ?

श्री सुरेन्द्रपाल सिंह : इस बारे में पहले भी यहाँ कहा जा चुका है कि उनके रास्ते में बहुत सी दिक्कतें हैं, बहुत से यात्रियों को वहाँ जाने से इन्कार कर देते हैं, लेकिन यह कहना भी सही नहीं है कि सभी यात्रियों को नहीं जाने देते हैं, कुछ को इजाजत देते हैं, कुछ को नहीं देते हैं। यह मामला ऐसा मुश्किल है, दिक्कत-तलब है—इसके बारे में हम सोच रहे हैं, कुछ बातचीत करने की कोशिश की है, विरोध-पत्र भेजे हैं, उनसे कहा गया है कि उन्हें एग्सीमिन्ट के अनुसार चलना चाहिये। फिर भी अभी हम इसमें कामयाब नहीं हो सके हैं . . .

श्री प्रकाशबीर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्रश्न यह था कि वहाँ से जितने तीर्थ

यात्री आते हैं भारत सरकार उनको पूरी सुविधा देती है, लेकिन यहाँ से जो तीर्थ यात्री वहाँ जाते हैं, उनको पाकिस्तान सरकार पूरी सुविधा नहीं देती है। इससे पहले श्रीर भी कई धर्मावलम्बियों ने अपनी कठिनाइयाँ व्यक्त की हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या पाकिस्तान के साथ इस विषय पर कभी अवसर आने पर उच्चस्तरीय बातचीत करेंगे, जिससे भविष्य में इस प्रकार की कठिनाइयाँ उत्पन्न न हों। मेरा यह सीधा प्रश्न है।

वंदेशिक कार्य मंत्री (श्री विनेश सिंह) : इस पर जरूर बातचीत करेंगे। पाकिस्तान इस कोशिश में है कि पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के बीच में साम्प्रदायिक-ऐक्य न बढ़ने पाये, जबकि हम चाहते हैं कि यहाँ से आसानी से लोग वहाँ जा सकें, लेकिन वे ऐसा नहीं चाहते हैं। हमने कई दफा कहा है कि जब भी कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम हो, वहाँ के लोगों को यहाँ आने दें और हमारे लोगों को वहाँ जाने दें। आम तौर से इस तरह के आने-जाने और आदान-प्रदान में पाकिस्तान कठिनाई पैदा कर रहा है। यह कोई नई बात नहीं है, सदन को मालूम ही है कि पाकिस्तान की इसके सम्बन्ध में क्या नीति है। इस समय हम यही कह सकते हैं कि पाकिस्तान ने हमारे साथ जो करार किये हैं, वह उनका पूरी तरह से पालन नहीं कर रहा है। पाकिस्तान के साथ हमारी कई मामलों में बातें चल रही हैं और कई मामलों में चलनेवाली हैं। एक माननीय सदस्य कहते हैं कि हम भी प्रतिबन्ध लगायें मैं नहीं समझता हूँ कि जो पाकिस्तान का बर्ताव है, वही बर्ताव हम भी करें तो उससे बात सुलझ जायगी। . . .

श्री हुकम चन्द कछवाय : जैसे को तैसा जवाब दीजिये।

श्री विनेश सिंह : हमारा देश जैसे को तैसा जवाब देने से नहीं बना है, सही काम करने से बना है।

डा० राम सुभग सिंह : मैं जानना चाहता हूँ कि इनकी समझ में कैसे इस समस्या को हल किया जा सकता है ? इन्होंने कहा है कि हम वैसे नहीं करना चाहते हैं तो इनका क्या विचार है, किस तरह से इस समस्या का समाधान हो सकता है ?

श्री बिनेश सिंह : धैर्य के साथ बात करने की कोशिश कर के ही इसका समाधान हो सकता है ।

SHRI SAMAR GUHA : My question is: whether it is a fact that not only in the district of Bagora but in all the Districts and sub-divisional towns of East Pakistan there are Brahma Samaj temples. In almost all the districts and sub-divisional towns of East Bengal Brahma Samaj temples are there and all these temples have been deprived of and taken possession of by the people and in some cases by the Government, and also is it a fact that not only in Khulna district but also in the Hill Chittagong district desecration of temples is going on and as a result a serious terror has been created in the minds of the minority community there? If so, what steps have been taken by the Government to allay that fear and see that the Brahma Samaj temples are freed to their legitimate owners?

SHRI DINESH SINGH : We have told the House that we are collecting full material on this matter and we will submit it to the House.

श्री मृत्युंजय प्रसाद : जबकि पाकिस्तान आपकी बात सुनने और सोचने को तैयार नहीं है तो क्या आप और देशों के जरिये उन पर दबाव डालने के लिये कोई सम्मिट कान्फ्रेंस बुलाने के लिये तैयार हैं तथा उस कान्फ्रेंस में वे देश ही बुलाये जाय जो सेक्यूलर हों, जो धर्म-निर्वेक्ष राज्य चलाते हैं ?

श्री बिनेश सिंह : ऐसा कोई विचार हमारे सामने नहीं है। शायद माननीय सदस्य उस समय यहां नहीं थे, जब मैंने बहुत

स्पष्ट रूप से सरकार की नीति के बारे में कहा था। हम समझते हैं कि पाकिस्तान और हमारे बीच के जो मामले हैं ये केवल दोनों देशों के बीच में शान्तिपूर्ण ढंग से सुलझाये जा सकते हैं। यह राजनीतिक प्रश्न नहीं है, धार्मिक प्रश्न हैं, इसलिये आपको इस दृष्टि से सोचना होगा।

श्री शारदा नन्द : क्या यह सही है कि वहां पर जो हमारा कमिश्नर का कार्यालय है, उस कार्यालय के द्वारा जो यात्री यहां से जाते हैं, उन को पूरी तरह से संरक्षण नहीं मिल पाता है ? क्या उस कार्यालय को आप इस प्रकार से लिखेंगे कि जो भी यात्री यहां से जाते हैं, उन को वह कार्यालय पूरा संरक्षण दे ?

श्री बिनेश सिंह : ऐसी कोई शिकायत हमारे पास नहीं आई है कि उनको हमारे कार्यालय से संरक्षण नहीं मिलता है।

Export Trade during 1969-70

*727. **SHRI R. K. BIRLA :** Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that earlier forecasts for Indian exports during the first seven months of the current year were very gloomy;

(b) whether the later forecasts for Indian exports during the 12 months ending March, 1970 have shown an increase of 4.5 per cent over the previous fiscal year thereby belying the gloomy forecasts made earlier;

(c) if so, the reasons for not making correct forecasts, and the action taken against the persons responsible for this lapse; and

(d) the total Indian exports during the year ending March, 1970 and the total foreign exchange earned on this account?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI RAM SEWAK): (a) No, Sir. While the trends in exports are kept under a constant watch by Government and the export outlook for the rest of the year is also continuously assessed in their light, no export forecasts are published by Government.